PlanetRead

Literacy for a Billion

Movie: Jo Jeeta Wohi Sikandar
Year: 1992

Song: Haari Baazi Ko Jitana
Lyricist: Majrooh Sultanpuri

वो सिकन्दर ही दोस्तों
कहलाता है
हारी बाज़ी को जीतना
जिसे आता है

निकलेंगे मैदान में
जिस दिन हम झूम के
धरती डोलेगी
ये क़दम चूम के

हे निकलेंगे मैदान में
जिस दिन हम झूम के
धरती डोलेगी
ये क़दम चूम के

वो सिकन्दर ही दोस्तों
कहलाता है

जो सब करते हैं यारों
वो क्यों हम तुम करें
यूँ ही कसरत करते करते
काहे को हम मरें
घरवालों से टीचर से
भला हम क्यों डरें

यहाँ के हम सिकन्दर
चाहें तो रख लें
सबको अपनी जेब के अन्दर
अरे हमसे बच के रहना

मेरे यार

नहीं समझे हैं वो हमें
तो क्या जाता है
हारी बाज़ी को जीतना
हमें आता है

ये गलियाँ अपनी
ये रस्ते अपने
कौन आएगा अपने आगे
हे राहों में हमसे
टकराएगा जो
हट जाएगा वो घबराके

यहाँ के हम सिकन्दर
चाहें तो रख लें
सबको अपनी जेब के अन्दर
अरे हमसे पंगा मत लेना
मेरे यार

नहीं समझे हैं वो हमें
तो क्या जाता है
हारी बाज़ी को जीतना
हमें आता है

ये भोली भाली
मतवाली परियाँ
जो हैं अब
दौलत पे क़ुर्बान

Literacy for a Billion

जब कीमत दिल की
ये समझेंगी तो
हमपे छिड़केंगी अपनी जान

यहाँ के हम सिकन्दर
चाहें तो रख लें
सबको अपनी जेब के अन्दर
अरे हम भी हैं शहज़ादे
गुलबाग़

नहीं समझे हैं वो हमें
तो क्या जाता है
हारी बाज़ी को जीतना
हमें आता है
निकलेंगे मैदान में
जिस दिन हम झूम के
धरती डोलेगी
ये क़दम चूम के

हे निकलेंगे मैदान में
जिस दिन हम झूम के
धरती डोलेगी
ये क़दम चूम के

नहीं समझे हैं वो हमें
तो क्या जाता है

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.